TELEPHONE: (O) 25990656
FAX: (022) 25990650
E-MAIL: head.rsd@aerb.gov.in
ero@aerb.gov.in
वेबसाइट/WEBSITE: www.aerb.gov.in

नियामक भवन/NIYAMAK BHAVAN,
अणुशक्तिनगर/ANUSHAKTINAGAR,
मुंबई/MUMBAI-400 094

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद
ATOMIC ENERGY REGULATORY BOARD

ISO 9001: 2008

डॉ. ए. यू. सोनवणे
प्रमुख, विकिरण संरक्षा प्रभाग
एवं
बाह्य संबंध अधिकारी (ईआरओ)

Dr. A. U. Sonawane
Head, Radiological Safety Division
&
External Relations Officer (ERO)

एईआरबी/ईआरओ/प्रेस विज्ञप्ति/10.7/2017/22

जुलाई 05, 2017

प्रेस विज्ञप्ति

कुडनकुलम नाभिकीय ऊर्जा परियोजना, एनपीसीआईएल में दिनांक 28 – 30, जून 2017 के दौरान पऊवि के संरक्षा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य पेशेवरों का 34वाँ सम्मेलन

परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) के संरक्षा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य पेशेवरों के 34वें सम्मेलन का आयोजन दिनांक 28 – 30 जून 2017 के दौरान परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (पऊनिप), मुंबई तथा कुडनकुलम नाभिकीय ऊर्जा परियोजना, एनपीसीआईएल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। परमाणु ऊर्जा विभाग में संरक्षा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य पहलुओं को प्रचारित एवं प्रोत्साहित करने के लिए औद्योगिक एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य के विभिन्न विषयों पर परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के साथ संयुक्त रूप से प्रत्येक वर्ष इस सम्मेलन का आयोजन किया जाता है।

इस वर्ष इस तीन दिवसीय सम्मेलन की विषय वस्तु थीं, "संरक्षा में मानवीय, संघटनात्मक एवं प्रौद्योगिकी पहलुओं के प्रमुख सिद्धांत" जो कि औद्योगिक संरक्षा पहलुओं से संबंधित थी तथा "जीवनशैली से संबंधित बीमारियाँ-सदी का मूक हत्यारा" जो कि व्यावसायिक स्वास्थ्य पहलुओं से संबंधित थी। इस सम्मेलन का उद्घाटन भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक श्री के.एन.व्यास द्वारा किया गया। परमाणु ऊर्जा विभाग की विभिन्न इकाइयों तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के सहायता प्राप्त संस्थानों के लगभग 250 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। श्री एस.वी.जिन्ना, स्थल निदेशक, कुडनकुलम नाभिकीय ऊर्जा परियोजना, एनपीसीआईएल ने सभा का स्वागत किया। "संरक्षा में मानवीय, संगठनात्मक एवं प्रौद्योगिकी पहलुओं के प्रमुख सिद्धांत" तथा "जीवनशैली से संबंधित बीमारियाँ-सदी का मूक हत्यारा" विषयों पर श्री डी.के.शुक्ला, कार्यकारी निदेशक, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद द्वारा एक मोनोग्राफ जारी किया गया साथ ही उन्होंने विगत सम्मेलनों की महत्वपूर्ण घटनाओं तथा उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं इस वर्ष के सम्मेलन की मुख्य बातों पर भी प्रकाश डाला। श्री एस.के.शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनपीसीआईएल, ने लोगो प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए तथा सभा को संबोधित किया। श्री एस.ए.भारद्वाज, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद ने वर्ष 2016 के एईआरबी औद्योगिक एवं अग्नि संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। औद्योगिक संरक्षा के क्षेत्र में काकरापार परमाणु ऊर्जा परियोजना 3 व 4, मद्रास परमाणु ऊर्जा स्टेशन, जिरकॉनियम कॉम्प्लेक्स, पळयकयल तथा ईसीआईएल – हैदराबाद एवं भारी पानी

संयंत्र – तालचेर विजेता रहे। अग्नि संरक्षा के क्षेत्र में कुडनकुलम नाभिकीय ऊर्जा स्टेशन 1 व 2 तथा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना 7 व 8 विजेता रहे। श्री भारद्वाज ने वर्ष 2016 की व्यावसायिक दुर्घटनाओं तथा अग्नि दुर्घटनाओं के आँकड़ों की एक पुस्तिका भी जारी की तत्पश्चात उन्होंने सभा को संबोधित किया। श्री के.एन.व्यास, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र ने कार्रवाई (ई-प्रारूप) तथा स्मारिका जारी की एवं स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। श्री वी. बी. संत, महानिदेशक, राष्ट्रीय संरक्षा परिषद द्वारा डॉ.एस.एस.रामास्वामी स्मृति व्याख्यान के तहत "औद्योगिक संरक्षा के लिए मानवीय एवं संघटनात्मक तथ्यपरक दृष्टिकोण " विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करना इस सम्मेलन की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। प्रतिभागियों के लाभ हेतु तथा उद्योगों एवं परमाणु ऊर्जा विभाग की इकाइयों के बीच विचार विनिमय को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सम्मेलन के दौरान नाभिकीय प्रौद्योगिकी, औद्योगिक एवं अग्नि संरक्षा उपकरण, जन जागरुकता तथा संरक्षा व नियामक पहलू पर एक तकनीकी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। श्री एस.जयकृष्णन, सीसीई, केकेएनपी, ने धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री के.एन.व्यास, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, श्री एस.ए.भारद्वाज, अध्यक्ष परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद, श्री एस.के.शर्मा, मुख्य प्रबंध निदेशक, एनपीसीआईएल, श्री डी.के.शुक्ला, कार्यकारी निदेशक, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद तथा श्री वी.वी.पाण्डे, प्रमुख, आई.पी.एस.डी., परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में उत्पादकों के अलावा परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद तथा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई के स्टॉल प्रदर्शित किए गए थे।

सम्मेलन में उद्घाटन सत्र तथा तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। जिनमें "संरक्षा में मानवीय, संगठनात्मक तथा तकनीकी पहलुओं का महत्व एवं उन्हें लागू करने की प्रक्रिया ", "अनुसंधान एवं विकास संगठनों में संरक्षा प्रबंधन", "सुरक्षा के क्षेत्र में संरक्षा बढाने के लिए तकनीकी पहलुओं के प्रमुख सिद्धांत", "जीवन शैली से संबंधित बीमारियाँ – सदी का मूक हत्यारा", "प्रतिरोधी निद्रा अश्वसन", "मनोदैहिक विकार" तथा "आपदा के दौरान मनोसामाजिक देखभाल" व अन्य रुचिकर विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। इन सत्रों में परमाणु ऊर्जा विभाग तथा परमाणु ऊर्जा विभाग से भिन्न सुविधाओं के प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा वार्ताएँ / व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन के दूसरे व तीसरे दिन औद्योगिक व व्यावसायिक स्वास्थ्य संरक्षा से संबंधित लगभग 17 सहायक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इसके साथ ही 12 सहायक शोध पत्रों को पोस्टर के रूप में प्रदर्शित किया गया। सम्मेलन का समापन विदाई सत्र के साथ किया गया जिसमें परमाणु ऊर्जा विभाग के कार्मिकों के बीच आयोजित की गई पोस्टर, कार्टून तथा स्लोगन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए

(ए. यू. सोनवणे)